Title: Demand to declare procurement prices for Rabi crop in the country.

श्री किशन सिंह सांगवान (सोनीपत) : अध्यक्ष महोदय, मैं भारत सरकार के ध्यान में एक बात लाना चाहता हूं कि रबी की फसल सारे देश में बोई जा चुकी है। सारे देश का किसान चिंतित है कि कब भाव मिलेगा, कितना मिलेगा? सारे देशों के किसानों में निराशा है और शुरु से ही पचास साल से उनकी एक मांग रही है कि जो भी फसल आए जो भाव सरकार दे, काश्त होने से पहले बता दे ताकि किसान अपनी मर्जी के मुताबिक फसल काश्त कर सके। इस समस्या का कोई समाधान नहीं हो सका है। यह कोई बजट का मामला भी नहीं है. यह पॉलिसी मैटर है। पॉलिसी तैयार की जाये ताकि किसान अपनी मर्जी के मुताबिक फसल बो सकें और फायदा ले सकें तथा भंडारण की समस्या का भी समाधान हो जाएगा।। धान के बारे में सभी प्रांतों के सदस्यों ने अपनी समस्याएं रखी। हरियाणा की स्थिति भी ऐसी है कि वहां धान का बुरा हाल रहा है। पंजाब को पैकेज दे दिया गया। पंजाब में बिजली और पानी फ्री है। वहां एडवांस में प्रोक्योरमेंट शुरु हो गई लेकिन हरियाणा में लेट शुरु हुई। यहां के किसान का बुरा हाल है। हरियाणा के किसान को सरकार के आश्वासन के बावजूद भी कोई मुआवजा नहीं दिया गया। इसलिये हरियाणा के किसानों को भी मुआवजा दिया जावे।